

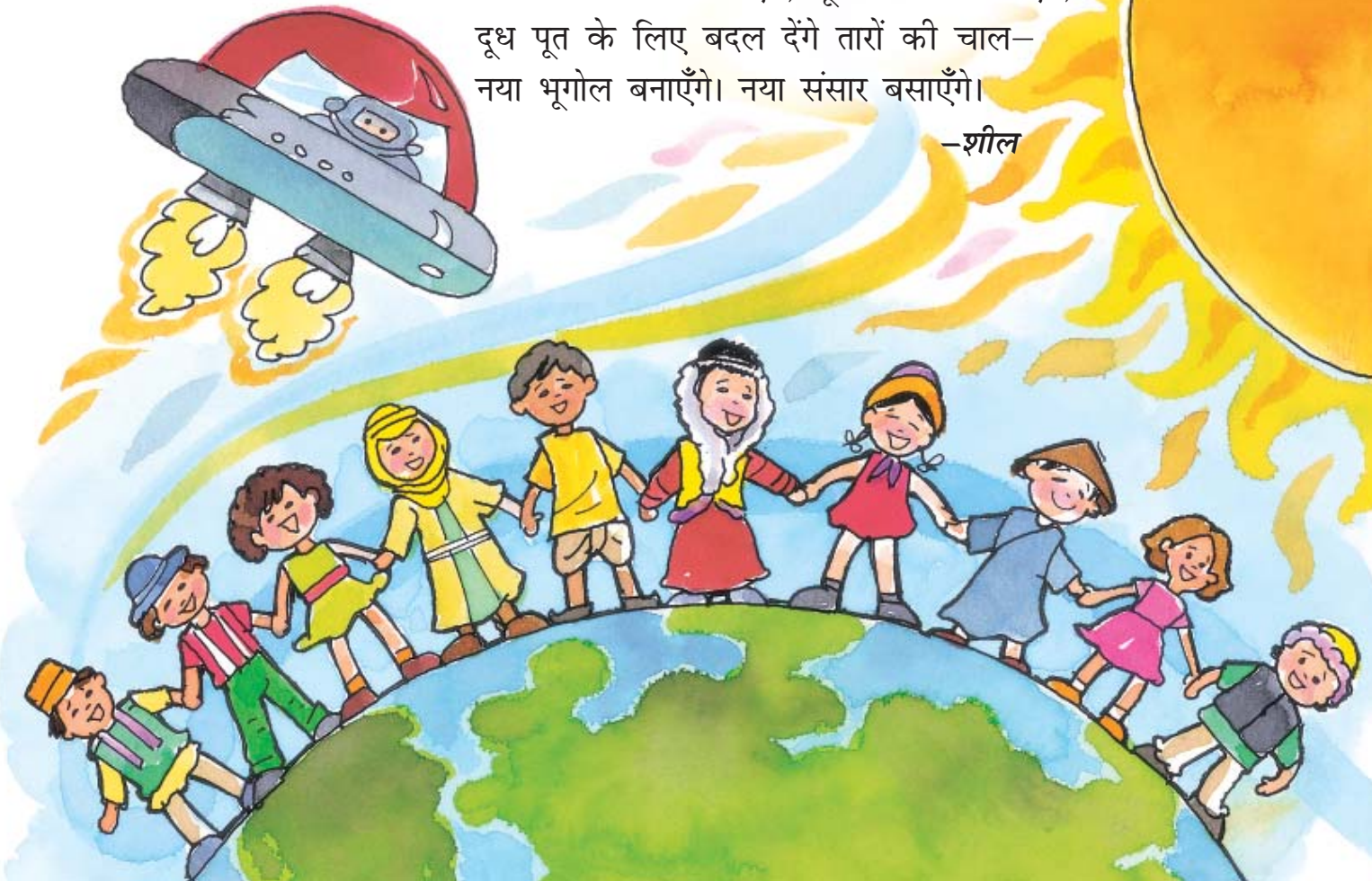


हम धरती के लाल

देश हमारा, धरती अपनी, हम धरती के लाल,
नया संसार बसाएँगे, नया इंसान बनाएँगे।
सुख-स्वप्नों के स्वर गूँजेंगे, मानव की मेहनत पूजेंगे,
नयी कल्पना, नयी चेतना की हम लिए मशाल-
समय को राह दिखाएँगे।

एक करेंगे हम जनता को, सीचेंगे समता ममता को,
नयी पौध के लिए पहन कर जीवन की जयमाल-
रोज़ त्योहार मनाएँगे।
सौ-सौ स्वर्ग उतर आएँगे, सूरज सोना बरसाएँगे,
दूध पूत के लिए बदल देंगे तारों की चाल-
नया भूगोल बनाएँगे। नया संसार बसाएँगे।

—शील



अभ्यास

शब्दार्थ

लाल - पुत्र, बेटा, सपूत
 संसार - दुनिया
 स्वर - ध्वनि, आवाज़
 राह - मार्ग, रास्ता, पथ

स्वप्न - सपना
 समता - बराबरी का भाव
 पूत - पुत्र, बेटा
 त्योहार - पर्व, उत्सव

1. कविता स

क

ख

ग

घ



2. वाक्य बनाओ

क

ख

ग



3. शब्द-सज्जा

क

ख

क

ख

ग

घ

ङ

च

4. सोचो और बताओ

क

ख

5. कैसे?

क

ख

ग

घ

ङ

6. यह भी करो

